॥ वन्देमातरम् ॥

संस्कार

सहयोग | सेवा

सम्पर्क | समर्पण

Reg. No. S-2272

भारत विकास परिषद्

राजस्थान (मध्य) प्रान्त

का मुख्य पत्र

वर्ष 2020

अंक जुलाई-सितम्बर

नई दिशा

ऑनलाईन एकलगान प्रतियोगिता-एक नवाचार

स्वस्थ रहें - सुरक्षित रहें

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

अध्यक्षीय लेखनी

बंधुओं समय परिवर्तनशील है। अभी भी कोविड-19 के कारण परिस्थितियाँ बड़ी विषम है किंतु इन विषम परिस्थितियों में भी मध्य प्रांत की शाखाओं ने ऑनलाइन संस्कार के एकल गान प्रतियोगिता, अभिरुचि शिविर, लड्डू गोपाल सजाओ, गुरु वंदन छात्र अभिनंदन जैसे बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए और कोरोना जैसी महामारी के चलते सेवा के कार्यों में भी रक्तदान, प्लाज्मा दान, हेलमेट वितरण, रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए दवाई वितरण, काढ़ा वितरण आदि बहुत से अभूतपूर्व कार्यक्रम करके इस महामारी को हराने में अपना योगदान दिया है। सेवा के इसी प्रकल्प के तहत अजमेर में एक सेवा मंदिर भवन का निर्माण अपनी पूरी प्रगति पर है। शाखाओं ने कई नए आयाम हासिल कर मध्य प्रांत को श्रेष्ठ प्रांतों की श्रेणी में पहुंचाया है। प्रांतीय व जिला बैठकों का आयोजन ऑनलाइन झूम एप्लीकेशन के माध्यम से रहा जिससे शाखाओं से भी सम्पर्क बना रहा।

हम परिषद् के उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए नर सेवा नारायण सेवा के विचारों को हृदय में धारण कर पीड़ित मानवता की सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित करें। इन्हीं विचारों को ध्यान में रखकर हम सभी अपने-अपने समय का अधिकाधिक सदुपयोग सेवा व संस्कार के कार्यों में नियोजित कर राष्ट्र देवता के चरणों में कुछ पुष्प अर्जित करें तभी हमारा जीवन सार्थक सिद्ध होगा

कैलाश अजमेरा
प्रान्तीय अध्यक्ष

सम्पादकीय.....

आदरणीय बन्धुओं,

राजस्थान मध्य प्रान्त पर केन्द्रीय नेतृत्व का स्नेहिल आशीर्वाद और प्रगाढ़ हो एवं इसमें सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों से प्रान्त की छवि और उज्जवल हो इसी के अनुरूप 'नई दिशा' के इस अंक में विगत तीन माह में अधिकतम शाखाओं में सम्पादित कार्यक्रम साररूप में प्रस्तुत है जिसमें अधिकतर कार्यक्रम ऑन लाईन आयोजित हुए हैं। प्रान्तीय, जिला व शाखा की बैठकें भी झूम एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाईन सम्पन्न हुई। प्रान्त में अधिकतर कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित हुए जिनमें मध्य प्रान्त की शाखाओं ने बहुत ही सुन्दर व नवाचार के साथ कार्यक्रम किए हैं। शाखाएं आगे भी ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

आप सभी से अनुरोध है कि इस कोविड महामारी में स्वस्थ रहें व सुरक्षित रहें क्योंकि यह मुश्किल वक्त है जो गुजर जायेगा।

शुभकामनाओं सहित.......

अरुण पारीक
प्रान्तीय संयुक्त महासचिव

महासचिव की कलम से ....

मानव जीवन के लिए मुसीबत बने कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ हर कोई अपने तरीके से लड़ाई लड़ रहा है। परिषद् परिवार के सदस्यों ने सेवा के इस अवसर पर जहां हर संभव सेवा कार्य किए हैं वहीं कठिन परिस्थितियों में संस्कार व आत्मनिर्भरता के विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन कर सकारात्मक वातावरण के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। गत 3 माह में परिषद् के स्थापना दिवस एवं डॉ.सूरज प्रकाश जी की जन्म शताब्दी से प्रारंभ संस्कार निर्माण के कार्यक्रमों ने अपने वर्चुअल स्वरूप में गति पकड़ी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह और हर एक त्यौंहार कोरोना के साये में सादगी से आयोजित अवश्य किया जाना हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। ऑनलाइन एकल गान प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित आयोजन ने यह प्रमाणित किया है कि अगर जुनून हो सर पर और अंतर मन में विश्वास हो तो असंभव कार्य भी संभव और सहज हो जाता है। मातृशक्ति द्वारा नवाचार से भरपूर ऑनलाइन कार्यक्रमों ने कार्यक्षमता की नई परिभाषा लिखी और परिषद की विचारधारा एवं संकल्पों को देश विदेशों तक प्रसारित करने का कार्य किया है।

इस कठिन समय में जब व्यक्तिगत संपर्क व मेल जोल का अभाव है तो सदस्यों में निष्क्रियता आना स्वाभाविक है परंतु संगठन के प्रति निष्ठा के भाव में कहीं कमी नहीं आई है। शाखा के दायित्वधारी और प्रांतीय दायित्वधारी, परिषद् परिवार के सदस्यों की सक्रियता बनाए रखने के लिए मोबाइल, मैसेज और वर्चुअल बैठकों के माध्यम से जीवन्त संपर्क बनाए रखें, नवाचार करते हुए ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन करते रहें और आपस में परिवार के स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहें। शाखा के संरक्षक, वरिष्ठ सदस्यों एवं दायित्वधारीयों कि इस कठिन समय में एक नैतिक जिम्मेदारी बनती है की शाखा के सदस्यों को जोड़ें रखें, नए सदस्य बनाए और सदस्यता अभियान को गति प्रदान करें।

संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है यदि कोई व्यक्ति ऐसा विश्वास करता है कि वह संगठन से बड़ा है और उसे किसी से निर्देश लेने की आवश्यकता नहीं है तो ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति हानिकारक होती है चाहे वह व्यक्ति कितना भी निष्ठावान और सक्रिय क्यों ना हो। शाखा के दायित्वधारी व प्रकल्प प्रभारी, राष्ट्रीय, रीजनल और प्रांत के दिशा निर्देशानुसार आत्म चिंतन करते हुए, अनुशासन के साथ परिषद् के स्वस्थ- समर्थ- संस्कारित भारत की परिकल्पना को पुरा करने के लिए पूर्ण सहयोग करें। जो बड़े मकसद के लिए सोचता है वह पहचान की संकीर्णता से ऊपर उठ जाता है। यदि सूरज की तरह रोशन होना है तो जलना भी होगा।

मुट्ठी में कुछ सपने लेकर, भरकर जेबों में आशाए,
दिल में अरमान यही हैं, देश के लिए कुछ कर जाएं।
सूरज सा तेज नहीं हम में, दीपक सा जलता देखोगे,
अपनी हद रोशन करने में, तुम हमको कब तक रोकोगे।।

सीए संदीप बाल्दी
प्रान्तीय महासचिव

गुजर जायेगा, गुजर जायेगा......

मुश्किल बहुत है मगर वक्त ही तो है गुजर जायेगा,
जिंदा रहने का ये जो जज्बा है फिर उभर आयेगा।

माना मौत चेहरा बदल कर आयी है,
माना रात काली है, भयावह है, गहराई है
लोग दरवाजों पे, रास्तों पे रुके बैठे हैं
कई घबराये हैं, सहमे हैं, छिपे बैठे हैं

यकीन रख ये बस लम्हा है दो पल में बिखर जायेगा
जिंदा रहने का ये जो जज्बा है फिर असर लायेगा
मुश्किल बहुत है मगर वक्त ही तो है गुजर जायेगा।

बाजार खाली, सड़कें सुनी, मोहल्ले विरान हैं
खौफ बरपा है हर तरफ लोग हैरान हैं
ये वो कहर है जो दुनिया को डराने आया है
मगर ना समज है जो इंसान को हराने आया है
इतिहास गवाह है ये मसला भी सुलझ जायेगा

जिंदा रहने का ये जो जज्बा है गुम हुआ है टूटा नहीं
यही जज्बा फिर असर लायेगा, फिर उभर आयेगा
मुश्किल बहुत है मगर वक्त ही तो है गुजर जायेगा।।

कोविड-19 राहत कोष के लिए भारत विकास परिषद् के सदस्यों से एकत्र की गई 2 करोड़ 11 लाख की राशि दिनांक 27-09-2020 को पीएम केयर्स फण्ड में माननीय मंत्री डॉ. जीतेन्द्र सिंह-राज्यमंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय को, राष्ट्रीय अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह संधू, राष्ट्रीय महामंत्री श्याम शर्मा, राष्ट्रीय वित्तमंत्री सम्पत खुरदिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय समन्वयक अजय दत्ता एवं महेश बाबु गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा दिया गया

वित्तीय संपर्क बैठक

संगठन

राष्ट्रीय वित्तमंत्री माननीय सीए श्री संपत जी खुर्दिया की अध्यक्षता में वित्तीय संपर्क बैठक का ऑनलाइन आयोजन 19.07.2020 को किया गया, जिसमें राष्ट्रीय, रीजन, प्रांतीय दायित्वधारियों के साथ-साथ शाखाओं के वित्त सचिव जुड़े। बैठक में 94 सदस्यों की सहभागिता रही।

रीजनल वित्तमंत्री सीए श्री राकेश जी गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में सर्वप्रथम AOP बनाने और PAN नंबर लेने की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की। उन्होंने शाखाओं के लेखे किस प्रकार रखे जाने हैं और उनका अंकेक्षण किया जाना है का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष रखा।

सीए श्री संपत जी खुर्दिया ने अपनी सहज भाषा शैली में बहुत सुंदर ढंग से लेखों की बारीकी, आयकर अधिनियम के प्रावधान और शाखाओं द्वारा वित्त का प्रबंध किस प्रकार किया जाए पर विस्तृत और सारगर्भित उद्‌बोधन दिया। खुले सत्र में सदस्यों के शंकाओं का समाधान करते हुए बहुमूल्य सुझाव दिए। बैठक में इंटरनल ऑडिट के विषय पर राष्ट्रीय वित्तमंत्री ने प्रांतीय मुख्य दायित्वधारियों से आग्रह किया कि वर्ष में दो बार शाखाओं के बही खातों व वाउचर्स की जांच करें और यह सुनिश्चित करें की शाखाओं के अकाउंट्स शाखा की वार्षिक बैठक में अनुमोदित हो और शाखा के मिनिट्स बुक में इस अनुमोदन की प्रविष्टि अवश्य हो। शाखाएं अनिवार्य रूप से AOP और PAN नंबर की प्रक्रिया पूर्ण करें।

रीजनल अध्यक्ष श्रीमान डी डी शर्मा साहब ने अपने ऊर्जावान उद्‌बोधन में शाखाओं को वित्तीय पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देने को कहा। रीजनल महामंत्री श्री त्रिभुवन जी शर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय वित्त मंत्री को आश्वस्त किया कि प्रांत और शाखाएं वित्त के संदर्भ में आपके द्वारा बताए गए दिशा निर्देशों का अक्षरश: पालन करेंगे। बैठक का संचालन राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने बहुत सुंदर और व्यवस्थित तरीके से करते हुए श्रेष्ठ उपस्थिति के लिए प्रांतीय, जिला एवं शाखा दायित्वधारियों का आभार व्यक्त किया।

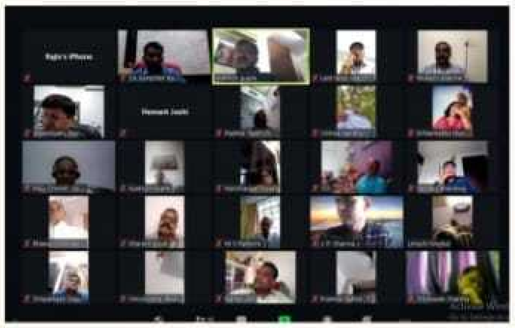

महिला संपर्क बैठक

राजस्थान मध्य प्रांत की द्वितीय महिला संपर्क बैठक नेशनल वॉइस चेयरपर्सन महिला एवं बाल विकास श्रीमती राजश्री जी गांधी की अध्यक्षता में 30 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आहूत की गई। बैठक में सभी प्रांतीय महिला संयोजिका, शाखा की महिला प्रमुख और शाखा कार्यकारिणी की महिला सदस्या सहीत 43 सदस्याओं की सहभागिता रहीं।बैठक में रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रमिला जी गहलोत और राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ का भी मार्गदर्शन मिला।

सर्वप्रथम प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती गुणमाला अग्रवाल ने प्रांत की त्रैमासिक प्रतिवेदन सदन के समक्ष रखा और महिलाओं के सक्रिय योगदान के लिए सभी शाखा के महिला प्रमुखों का आभार व्यक्त

किया। श्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने अपने उद्बोधन में संपर्क को आधार बनाकर सेवा और संस्कार के नए आयाम स्थापित करने का मार्गदर्शन दिया।

प्रांतीय संयोजिका श्रीमती भारती मोदानी ने डॉ सूरज प्रकाश आत्मनिर्भर योजना के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भरता के स्वरूप में किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बेटी बसाओ का नारा दिया। प्रांत की वरिष्ठ दायित्वधारी डॉक्टर कमला जी गोखरू ने एनीमिया की गंभीरता को समझाते हुए बचाव के उपाय सदन के समक्ष रखें। साथ ही उन्होंने कोरोना से डरना नहीं लड़ना है इस संदर्भ में स्वयं का उदाहरण देते हुए सदन को बताया कि मरीजों की सेवा करते-करते वे और उनके पति स्वयं कोरोना से ग्रसित हो गए थे परंतु धैर्य और विश्वास के साथ उन्होंने कोरोना जैसी महामारी को हराया। प्रांतीय संयोजिका श्रीमती अर्पिता गोयल ने वर्तमान परिपेक्ष में संस्कृति सप्ताह का आयोजन किस प्रकार किया जा सकता है इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण नवाचार सदन के पटल पर रखें। प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी ने महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी सदन के समक्ष रखी और निवेदन किया कि इन योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को पहुंचा कर हम सेवा प्रकल्प को सार्थक बना सकते हैं। रीजनल मंत्री श्रीमती प्रमिला जी गहलोत ने अपने मार्गदर्शक उद्बोधन में आत्मनिर्भरता और नवाचार के कार्यक्रमों को लेते हुए शाखा महिला प्रमुखों को सक्रिय रहने का आह्वान किया। खुले सत्र में महिलाओं द्वारा अपनी शंका और समस्याओं का समाधान एवं सुझाव का आदान-प्रदान हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती राजश्री गांधी ने राजस्थान मध्य प्रांत की महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना करते हुए अपने सारगर्भित उद्बोधन में महिलाओं को परिषद् की रीति-नीति के अनुसार कार्य करने, आपसी प्रेम व संपर्क बढ़ाने और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की सीख दी। प्रांतीय महासचिव के आभार एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई।

महिला संपर्क बैठक

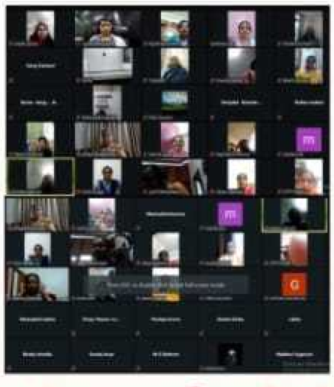

भाविप की संपर्क बैठक में दी जानकारी

भीलवाड़ा | भारत विकास परिषद मध्य प्रांत की द्वितीय महिला संपर्क बैठक नेशनल वाइस चेयरपर्सन महिला एवं बाल विकास राजश्री गांधी की अध्यक्षता में ऑनलाइन हुई। बैठक में 43 सदस्याओं की सहभागिता रही। रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास प्रमिला गहलोत और राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह राठौड़ का भी मार्गदर्शन मिला। प्रांतीय महिला प्रमुख गुणमाला अग्रवाल ने प्रतिवेदन रखा। प्रांतीय संयोजिका भारती मोदानी ने महिलाओं को आत्मनिर्भरता में किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रांतीय संयोजिका अर्पिता गोयल, प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी, प्रमिला गहलोत विचार व्यक्त किए।

प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते प्रशासन की व्यवस्थाओं का सम्मान करते हुए द्वितीय प्रांतीय कार्यकारिणीबैठक का आयोजन झुम ऐपलिकेशन के माध्यम से 16.08.2020 को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रीजनल चेयरमेन श्रीमान् डी. डी. शर्मा जी की अध्यक्षता में ऑनलाईन आयोजित की गई।

श्री संपत जी खुर्दिया (राष्ट्रीय वित्तसचिव), श्री त्रिभुवन जी शर्मा (रीजनल महामंत्री), श्री मालचंद जी गर्ग (राष्ट्रीय संपर्क प्रोजेक्ट सेक्रेटरी), श्री मुकन सिंह जी राठौड़ (राष्ट्रीय मंत्री), श्री नृत्य गोपाल जी मित्तल (रीजनल मंत्री-संपर्क), श्री विनोद जी आढ़ा (रीजनल मंत्री-सेवा), पूर्व रीजनल मंत्री पवन जी अग्रवाल, श्री कमल किशोर जी व्यास व श्री मुकुट बिहारी जी मालपानी (संरक्षक-मध्य प्रान्त) का सानिध्य मिला।

प्रथम प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक के अनुमोदन के बाद जिला सचिव श्री शिवम प्रह्लादका-भीलवाड़ा, श्री श्यामसुंदर चौधरी-अजमेर और प्रान्तीय महासचिव (राजसमंद) ने अपने-अपने जिलों की 15.08. 2020 तक की प्रगति रिपोर्ट व शाखाओं के AOP, Balance Sheet PAN नम्बर की वर्तमान स्थिति सदन के समक्ष रखी। संगठन मंत्री श्री सुभाष जी जैन ने संगठनात्मक रिपोर्ट सदन के समक्ष रखी और बताया की फोन, मोबाइल तथा ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से जिला अध्यक्ष, जिला सचिव व सह संगठन मंत्री के साथ मिलकर शाखा सदस्यों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। सत्र में 2002 सदस्यता संख्या अब तक हुई है और आशा है कि 31 अगस्त 2020 तक सभी शाखाएं अपने सदस्यता नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लेगी।

प्रांतीय संयोजक श्री मुकेश लाठी भारत को जानो प्रतियोगिता के ऑनलाइन आयोजन के नियम और आयोजन विधि का संपूर्ण प्रतिवेदन PPT Presentation के माध्यम से सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि प्रांत स्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता तीन चरण-प्रथम-विद्यालय स्तर, मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (5 अक्टुम्बर 2020 तक), द्वितीय-शाखा स्तर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (30अक्टुम्बर 2020 तक) तृतीय प्रांत स्तर पर मोबाइल एप्लीकेशन एवं लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से 5 नवम्बर 2020 तक आयोजित होगी।

प्रांतीय संयोजक राष्ट्रीय समूहगान एवं संस्कृत समूहगान प्रतियोगिता श्री दिलीप जी पारीक ने बताया कि इस वर्ष 'ऑनलाइन राष्ट्रीय एकल गीत' प्रतियोगिता का आयोजन करने का निर्णय समूहगान की राष्ट्रीय कमेटी ने लिया है और आयोजन विधि का संपूर्ण प्रतिवेदन PPT Presentation के माध्यम से सदन के समक्ष रखा। राष्ट्रीय एकल गीत ऑनलाईन प्रतियोगिता के तीन चरण शाखा स्तर पर रिकॉर्ड विडीयो से विजेताओं का निणर्य (13 सितम्बर 2020 तक), जिला स्तरीय रिकॉर्ड विडीयो से विजेताओं का निणर्य (15 सितम्बर 2020) व प्रान्त स्तरीय ऑनलाईन लाईव प्रतियोगिता 20 सितम्बर 2020 को आयोजित होगी।

प्रांतीय सह-संयोजक श्री शिवदयाल जी अरोड़ा ने गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का आयोजन विपरीत परिस्थितियों में कैसे किया जाए का संपूर्ण प्रतिवेदन PPT Presentation के माध्यम से सदन के समक्ष रखा। प्रांतीय उपाध्यक्ष संस्कार श्री पारस जी बोहरा द्वारा संस्कार प्रकल्प में केंद्र द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों को सदन के समक्ष रखा और बताया कि शिक्षक दिवस 5 सितंबर के दिन व्यापक स्तर पर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन हो, साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में दसवीं कक्षा के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन कर उसकी सूची प्रांत को भेजी जाए जिससे श्रेष्ठ विद्यार्थी का चयन कर प्रांत रीजन को भेजेगा और रीजन की योजना के अनुसार ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रांतीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी ने प्रांत की शाखाओं द्वारा अब तक किए गए सेवा, संस्कार और संपर्क के कार्यों का प्रतिवेदन सदन के समक्ष रखा और सभी सदस्यों के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया और बताया की परिषद् परिवार के सदस्यों ने कोराना समय को ईश्वर द्वारा प्रदत सेवा कार्य का अवसर मानते हुए अपने अपने क्षेत्र में हर संभव सेवा के कार्य किए, चाहे वह जरूरतमंदो को भोजन करवाना हो या

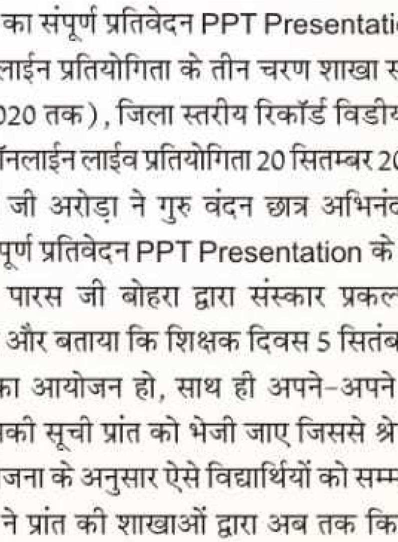

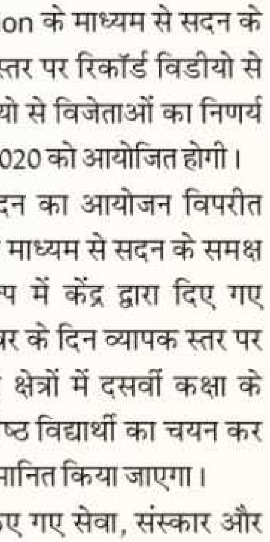

राशन वितरण, मास्क, सैनिटाइजर वितरण हो या आर्थिक सहायता के रूप में सहयोग हो। अब तक 10 शाखाओं द्वारा कोविड-19 के सोश्यल डिस्टेंसिंग एवं सरकारी नियमों की पालना करते हुए 28 रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 1541 रक्त यूनिट का संग्रहण किया। पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रांत की 16 शाखाओं द्वारा 1560 से अधिक वृक्षारोपण और 9 शाखाओं द्वारा 751 तुलसी पौधा वितरण भी किया गया।ऑनलाइन शिविरों में राज्य स्तर पर ही नहीं वरन पूरे भारतवर्ष और विदेशों से कुल 24,850 रजिस्ट्रेशन हुए। डॉ. सूर्य प्रकाश जी के जन्म की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश स्वदेशी संकल्प अभियान का शुभांरभ। इस अभियान में राज्य स्तर पर ही नहीं वरन पूरे भारतवर्ष से कुल 5,087 संकल्प पत्र भरें गये। डॉ. सूरज प्रकाश जी की स्मृति में सुभाष शाखा भीलवाड़ा द्वारा सूरज प्रकाश जल मंदिर, शाखा केकड़ी द्वारा प्रतिदिन वृक्ष लगाने का संकल्प और महिला द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश आत्मनिर्भर योजना प्रारंभ की है।

अन्य प्रस्ताव में वर्ष 2019-20 में शाखाओं द्वारा किए गए कार्यों का संगठनात्मक एवं क्रियात्मक मूल्यांकन कर शाखाओं को सम्मानित किया जाना, संस्कृति सप्ताह के ऑनलाइन आयोजन, दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन व कोराना योद्धा के सम्मान हेतु प्रमाण पत्र के प्रस्ताव पारित हुए।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री व रीजनल महासचिव श्री त्रिभुवन जी शर्मा ने प्रकल्पों के श्रेष्ठ आयोजन हेतु बहुमूल्य सुझाव दिए। मध्य प्रान्त के कार्यक्रमों की सराहना की एवं कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु कार्य योजना के लिए प्रान्तीय कार्यकारिणी को साधुवाद दिया। राष्ट्रीय वित्तसचिव श्री संपत जी ने अपने उद्‌बोधन में प्रान्त द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए, महिला रक्तदान शिविर के आयोजन और केकड़ी शाखा द्वारा लगाए जा रहे हैं वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राजस्थान मध्य प्रांत रीजन का ही नहीं पूरे देश के श्रेष्ठ प्रांतों में से एक है और अन्य प्रांत कार्य करने की शैली के लिए राजस्थान मध्य प्रांत की ओर देखते है। बैठक के संदर्भ में उन्होंने कहा कि अनुशासनात्मक रूप से किस प्रकार ऑनलाइन बैठक की जा सकती है यह आज राजस्थान मध्य प्रांत की बैठक में आकर अनुभव किया है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डीडी शर्मा जी ने बैठक में हर एक बिंदु पर विस्तृत चर्चा, कार्यकर्ताओं का अनुशासन बैठक का आदर्श संचालन एवं प्रांत की कार्यशैली को श्रेष्ठ बताते हुए हृदय से सभी को बधाई एवं आभार व्यक्त किया। प्रांत के तकनीकी क्षमता के साथ संस्कार और सेवा के कार्यों की सराहना करते हुए, मध्य प्रांत को रीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रांत बताया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रांतीय उपाध्यक्ष संस्कार श्री पारस जी बोहरा ने सभी प्रांतीय संयोजक बंधुओं एवं केंद्रीय व रीजनल दायित्वधारियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया।

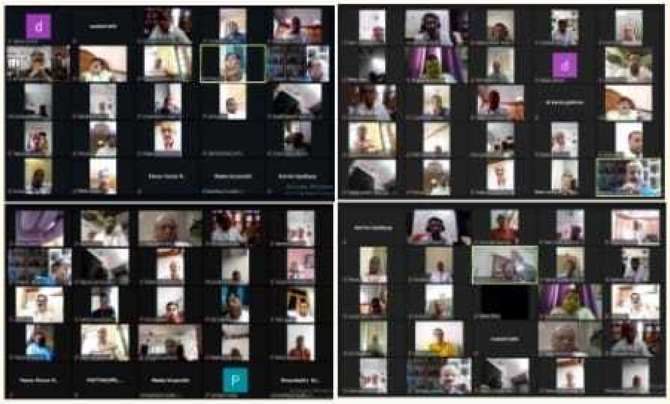

सम्मान

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा 31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2019-20 के खातों का ऑडिट कराकर नियत समय पर केन्द्रीय कार्यालय में जमा करवाने हेतु वित्तीय अनुशासन व प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए केंद्रीय कार्यालय द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन प्रदान किया गया है।

जिला प्रकल्प कार्यशाला बैठकें

इस वर्ष संस्कार प्रकल्प अपने मूल स्वरूप में ना होकर केंद्र द्वारा निर्देशित वर्चुअल माध्यम से ऑनलाइन विधि की जानकारी हेतु जिला प्रकल्प कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। भीलवाड़ा और राजसमंद जिले की प्रकल्प बैठक 19.08.2020 को दोपहर 2 बजे 54 सदस्यों की सहभागिता और अजमेर जिले की सायं 7 बजे 33 सदस्यों की सहभागिता के साथ जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में, जिला सचिव बंधुओं द्वारा आहूत की गई थी। बैठक में प्रांतीय संयोजक द्वारा ऑनलाइन प्रकार का आयोजन किस प्रकार करना है और क्या नियमावली रहेगी, सभी की जानकारी PPT presentation के माध्यम से सदन में रखी।

खुले सत्र में दायित्वधारियों की शंकाओं का समाधान प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी और प्रांतीय संयोजक बंधुओं द्वारा किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश जी अजमेरा ने अपने उद्बोधन में दायित्वधारियों को संस्कार प्रकल्पों के ऑनलाइन आयोजन को सफल बनाने का मार्गदर्शन देते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों के मध्य भारत विकास परिषद को पहुंचाने का आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने संगठन की रीति नीति को ध्यान में रखते हुए अपने ऊर्जावान मार्गदर्शन से सभी दायित्वधारियों में नई ऊर्जा का संचार किया। भीलवाड़ा जिले की बैठक का संचालन जिला सचिव शिवम जी प्रहलादका और अजमेर बैठक का संचालन श्याम सुंदर जी चौधरी ने किया। जिला प्रकल्प कार्यशाला में प्रांतीय संरक्षक श्री मुकुट बिहारी जी मालपानी, जिला अध्यक्ष, प्रांतीय संयोजक सहित शाखाओं के दायित्वधारी एवं प्रकल्प प्रभारी उपस्थित रहे।

रीजनल संपर्क बैठक

राजस्थान मध्य प्रांत के दायित्वधारियों की गत 3 माह की रीजनल संपर्क बैठक में सहभागिता-

1. रीजनल बैठक-26.07.2020, सहभागिता-6 सदस्य, श्री सुरेश जी जैन-राष्ट्रीय संगठन मंत्री
2. रीजनल बैठक-09.08.2020, सहभागिता-4 सदस्य, श्री महेश जी शर्मा-राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
3. रीजनल ग्राम विकास बैठक-27.08.2020, सहभागिता-4 सदस्य, श्री देवराजजी शर्मा-चेयरमेन सेवा
4. रीजनल बैठक-30.08.2020-सहभागिता-5 सदस्य श्री सुरेश जी जैन-राष्ट्रीय संगठन मंत्री
5. राष्ट्रीय कौंन्सील बैठक-20.09.2020, सहभागिता-3 सदस्य, श्री गजेन्द्रसिंह जी संधु-राष्ट्रीय अध्यक्ष
6. राष्ट्रीय बैठक - 27.09.2020, सहभागिता-5 सदस्य, श्री मुकन सिंहजी राठौड़-राष्ट्रीय मंत्री

अयोध्या में राम मन्दिर-अजमेर में सेवा मन्दिर
भारत विकास भवन-शिला पूजन एवं नींव का मुहूर्त

भारत विकास परिषद् अजमेर मैन चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अजमेर में 5 अगस्त 2020 को बहुउद्देशीय भारत विकास भवन के शिला पूजन एवं नींव का मुहूर्त रीजनल अध्यक्ष श्रीमान् डी.डी. शर्मा जी और मुख्य अतिथि अजमेर विधायक श्रीमान् वासुदेव देवनानी जी की उपस्थिति में हुआ।
आज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय मंत्री श्री मुकन सिंह जी राठौड़, राष्ट्रीय संपर्क प्रोजेक्ट सेक्रेटरी श्री मालचंद जी गर्ग, रिजनल मंत्री संस्कार श्री दिनेश जी कोगटा, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी अजमेरा, प्रांतीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी, शहर समन्वयक श्री रामचंद्र जी शर्मा सहित अजमेर शहर की चारों शाखाओं के मुख्य दायित्वधारी उपस्थित रहें। अजमेर शाखा के अध्यक्ष श्री अशोक जी गोयल ने बताया की वर्ष 2016 में राष्ट्रीय अधिवेशन अजमेर के आयोजन के पश्चात् दायित्वधारियों द्वारा अजमेर में एक स्थाई प्रकल्प के अंतर्गत बहुउद्देशीय भवन निर्माण की योजना बनाई गई थी, जिसके परिणाम स्वरूप आज भवन के निर्माण हेतु नींव पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त भवन में सिलाई केंद्र, कंप्यूटर शिक्षा केंद्र, प्राकृतिक चिकित्सा शिविर और कौशल विकास के अंतर्गत विभिन्न सेवा और संस्कार की योजनाएं प्रस्तावित है।
इस अवसर पर माननीय विधायक प्रोफेसर वासुदेव देवनानी ने कहा कि परिषद् अपने मूलभूत सूत्रों के अनुरूप विभिन्न सेवा कार्यों में सक्रिय रुप से अपनी भूमिका निभा रही है, और इस भवन के माध्यम से इस क्षेत्र के चारों तरफ रह रहे ग्रामीण एवं अन्य जरूरतमंद लोगों को विभिन्न प्रकल्प द्वारा सेवा दी जाएगी, यह एक बहुत ही खुशी की बात है। आपने कहा कि भारत विकास परिषद् के इस प्रोजेक्ट में मैं हमेशा हर तरह से आपको सहयोग करूंगा ताकि समाज के जरूरतमंद लोगों की अधिक से अधिक सेवा की जा सके। इस प्रोजेक्ट के प्रभारी श्रीसुरेश गोयल ने सभी उपस्थित समुदाय को इस सेवा कार्य में अधिक से अधिक तन मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सह-प्रभारी डॉ. सुरेश जी गाबा, श्री रमेश चंद्र जी जाजू, श्री हेमंत जी गुप्ता, श्री राधेश्याम जी अग्रवाल, डॉ. कमला जी गोखरू, श्री भारत भूषण जी बंसल, श्री सतीश जी बंसल, श्री दिलीप जी पारीक, समाज सेवी श्री विष्णु जी चौधरी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर के गोखरू एवं अन्य लोग उपस्थित थे ।

भारत विकास परिषद के भवन की नींव का मुहूर्त

अजमेर में निर्माणाधीन परिषद् भवन की प्रगति

नि:शुल्क ऑनलाईन अभिरुचि शिविर

अगस्त माह में बिजयनगर परिषद् कार्यालय सथाना बाजार पर भारत विकास परिषद् शाखा बिजयनगर द्वारा नि:शुल्क अभिरूचि शिविर का शुभारम्भ वन्देमातरम् गायन व भारत माता तथा स्वामी विवेकानन्द के चित्र के समक्ष महिला प्रमुख दीप माला तलेसरा ने द्वीप प्रज्वलीत करके किया। शिविर का आयोजन ऑनलाईन किया गया। नि:शुल्क सात दिवसीय अभिरुचि शिविर में प्रथम दिवस कुल 1134 का पंजीयन हुआ। भारत वर्ष के अलावा विदेशों से भी पुरुष व महिला तथा बच्चों ने उत्साह से अपना पंजीयन करवाया है। शिविर में कुकिंग, महेन्दी, नृत्य, योगा, आर्ट एण्ड क्राफ्ट,ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया गया। राजस्थान मध्य प्रांत की 6 शाखाओं द्वारा प्रांतीय संयोजिका श्रीमती भारती जी मोदानी के नेतृत्व में ऑनलाइन अभिरुचि शिविर का आयोजन किया गया। ऑनलाइन शिविरों में राज्य स्तर पर ही नहीं वरन् पूरे भारत वर्ष और विदेशों से कुल 24,850 रजिस्ट्रेशन हुए। राजस्थान के बाहर से लगभग 6280 और विदेशों से 357 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। ऑनलाइन अभिरुचि शिविर में शाखाओं द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप लिंक के माध्यम से विधाओं के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

महिला जागरुकता - हिन्दी गीत प्रतियोगिता

भारत विकास परिषद् मुख्य शाखा अजमेर द्वारा मातृ शक्ति ने माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए कुछ नवाचार की सोची और मिले सुर मेरा तुम्हारा शीर्षक नाम से कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद् की सभी मातृ शक्ति को अपना एक हिंदी गीत का मुखड़ा और एक अंतरा गाकर रिकॉर्ड करके संयोजिका सुश्री नीता भटनागर को भेजना था। 21 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका अपूर्वा, द्वितीय स्थान श्रीमती उषा वर्मा व तृतीय स्थान श्रीमती निधि गर्ग और श्रीमती सुषमा शर्मा रही।

ऑनलाईन लड्डूगोपाल को झूले में सजाओ प्रतियोगिता

भारत विकास परिषद् ब्यावर शाखा द्वारा जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ऑनलाइन लड्डु गोपाल को झूले में सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगियों द्वारा लड्डू गोपाल व झूले को सजाने से पूर्व व सजाने के बाद की तस्वीरें और वीडियो व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी गई जिसके आधार पर विजेताओं का निर्णय हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं में सकारात्मकता व सृजनात्मकता को बनाए रखना तथा आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना था। प्रतियोगियों द्वारा भेजी प्रविष्टियों में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार के रुप में 11 सर्वोत्तम प्रविष्टियों का चयन किया गया। सभी विजेताओं को ई-सम्मान पत्र तथा अन्य प्रतियोगियों को ई-प्रशस्ति पत्र दिए गये।

गुरु वन्दन-छात्र अभिनन्दन

संस्कार

क्र.	शाखाएँ	कार्यक्रम संख्या	विद्यालय संख्या	सम्मानित विद्यार्थी	सम्मानित गुरूजन
01	जालिया द्वितीय	20	20	40	95
02	केकड़ी	7	11	32	40
03	बान्दनवाड़ा	5	5	55	45
04	अजयमेरू	4	4	38	30
05	ब्यावर	1	11	102	13
	अजमेर जिला	**37**	**51**	**267**	**223**
01	नेताजी सुभाष भीलवाड़ा	10	10	16	121
02	माण्डल	4	26	50	73
03	गुलाबपुरा	3	40	5	171
04	स्वामी विवेकानन्द भीलवाड़ा	2	5	10	54
05	आजाद भीलवाड़ा	2	2	9	30
06	शाहपुरा	1	1	3	5
	भीलवाड़ा जिला	**22**	**84**	**93**	**454**
	कुल	**59**	**135**	**360**	**677**

गुरु पूर्णिमा के अवसर से भारत विकास परिषद् अपने संस्कार प्रकल्प गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का शुभारंभ करता आया है, परंतु वर्तमान परिपेक्ष में इस प्रकल्प के मूल स्वरूप में आयोजन किया जाना संभव नहीं हो रहा है, कोरोना महामारी के चलते इस वर्ष सभी विद्यालयों में छात्रों को नहीं बुलाकर ऑन लाइन अध्ययन हो रहा है। अत: नवाचार करते हुए परिषद् द्वारा विद्यालयों में आयोजित किये जाने वाले गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम को भी ऑन लाइन वीडियो द्वारा छात्रों तक पहुंचाया गया। ऑनलाइन वार्ता में परिषद् की जानकारी के साथ-साथ 15 से 20 मिनट का वक्तव्य/बौद्धिक रखा गया। विद्यार्थीयों को परिषद् के सदस्यों ने उनके घर जाकर मोमेंटो व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। अध्यापकों ने भी इस महामारी से लड़ने में अपना पूर्ण रूप से योगदान दिया है। चाहे कोविड सेंटर पर अपनी ड्यूटी देना हो या सर्वे में अपनी भूमिका निभानी हो। गुरु वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प के तहत गुरूओं का भी कोरोना योद्धा के रूप में उनके घर जाकर अभिनंदन एवं सम्मान किया। कुछ शाखाओं द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए विद्यालयों में जाकर भी गुरुजनों व श्रेष्ठ विद्यार्थीयों को सम्मानित किया गया। प्रान्तीय संयोजक श्री महेन्द्र रांका व श्री शिव दयाल अरोड़ा ने बताया कि इस वर्ष कोरोना काल को देखते हुए गुरू वन्दन-छात्र अभिनन्दन प्रकल्प केन्द्रिय निर्देशानुसार शाखाओं द्वारा 31 दिसम्बर 2020 तक आयोजित किये जा सकेंगे।

ऑनलाईन एकलगान प्रतियोगिता-एक नवाचार

20 सितंबर 2020 का दिन भारत विकास परिषद, राजस्थान मध्य प्रांत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में जुड़ गया। इस दिन पहली बार प्रांत स्तरीय ऑनलाइन लाइव एकल गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय चेतना के स्वर पुस्तक से चयनित देशभक्ति गीतों पर आधारित यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की गई। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 6 से 8, वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और तृतीय वर्ग में परिषद् परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

राजस्थान मध्य प्रांत में यह प्रतियोगिया तीन चरणों में आयोजित की गई। सबसे पहले शाखा स्तर पर आयोजित प्रतियोगिया में 26 शाखाओं से 321 प्रतियोगियों ने भाग लिया। शाखा स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतियोगियों से गायन प्रस्तुति के 3 से 5 मिनट का रिकॉर्डेड वीडियो प्रांत की मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से 15 सितंबर 2020 तक आमंत्रित किए गए। प्रस्तुति का वीडियो अपलोड करने से पहले मोबाइल एप्लीकेशन पर विद्यार्थियों से कुछ सामान्य जानकारियां जैसे- नाम, पिता का नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम, उम्र, गीत का क्रमांक, गीत के बोल और शाखा का नाम ली गई। वीडियो अपलोड करते ही प्रतियोगियों के मोबाइल पर ऑटो जनरेटेड ई- प्रमाण पत्र भेजे गये, ताकि प्रतियोगी उसे डाउनलोड कर सके या स्क्रीन शॉट लेकर सेव कर सके। 17 सितंबर तक सभी शाखाओं के परिणाम घोषित हो गए। निर्णायकों ने रिकॉर्डेड वीडियोज को देखकर संयोजन, सुर, लय, उच्चारण और प्रस्तुतीकरण के आधार पर अंक दिए। प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक शाखा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। उन्हीं रिकॉर्डेड वीडियो के आधार पर 18 सितंबर को प्रांत के तीनों जिलों अजमेर, भीलवाड़ा और राजसमंद की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया। जिला स्तर पर प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले

प्रतियोगियों को प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया। प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता झुम एप्लीकेशन के माध्यम से लाइव आयोजित की गई। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के सभी 22 विजेता प्रतियोगियों को झुम एप्लीकेशन के माध्यम से 20 सितंबर को सुबह 10 बजे जोड़ा गया व लॉटरी के द्वारा कोड नम्बर दिए गए।सभी प्रतियोगियों ने मन मोहक प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक संगीत की दुनिया के स्थापित कलाकार, दिल्ली से गायिका और अभिनेत्री कल्पना जी मिश्रा, महाराष्ट्र से संगीतकार और वॉयस ओवर आर्टिस्ट श्री नासिर खान और मेवाड़ से गायिका शकुंतला जी सरूपरिया का सहयोग मिला।

प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रीजनल चेयरमैन श्री डीडी शर्मा ने की। उन्होंने सफल संयोजन, उत्कृष्ट प्रस्तुति और उत्तम संचालन के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय मंत्री श्री मुकन सिंह राठौड़ ने इस आयोजन को एक उपलब्धि बताया। रीजनल मंत्री- संस्कार श्री दिनेश कोगटा ने इस नवाचार पर सभी को बधाई दी और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रांतीय उपाध्यक्ष संकल्प संस्कार श्री पारस बोहरा ने निर्णायकों और अतिथियों का स्वागत किया। प्रांतीय सह-संयोजक श्री अरुण बाहेती ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया व प्रांतीय संयोजक दिलीप पारीक ने प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी सदन के समक्ष रखी वसंचालन किया।

निर्णायकों ने अंक तालिकाएं भरकर त्वरित गति से व्हाट्सएप द्वारा संयोजक को भेजी। प्रांतीय महासचिव श्री संदीप बाल्दी ने एप्लिकेशन का तकनीकी नियंत्रण किया तथा परिणामों की घोषणा की। प्रतियोगिता 11 बजे प्रारंभ हुई और 2 बजे परिणाम घोषित कर दिए गए। प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में आना जैमन, आदर्श-अजमेर प्रथम, साक्षी शर्मा देवगढ़ द्वितीय और हिमांशु चौहान ब्यावर तृतीय स्थान, कनिष्ठ वर्ग में निधिका शक्तावत भीलवाड़ा प्रथम, प्रियांशी सेन केकड़ी द्वितीय और वैष्णवी जोशी अजमेर मुख्य तृतीय स्थान और परिषद परिवार वर्ग में सुश्री नंदिनी भोजवानी जालिया प्रथम, श्रीमती रश्मि जैन किशनगढ़ द्वितीय और श्रीमती मीनाक्षी त्रिपाठी शाहपुरा तृतीय स्थान पर रहे।

प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में राष्ट्रीय संस्कार प्रोजेक्ट सेक्रेटरी श्री संतोश शर्मा, रीजनल महामंत्री श्री त्रिभुवन शर्मा, रीजनल मंत्री संपर्क श्री नृत्य गोपाल मित्तल व रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमति प्रमिला गहलोत का भी सानिध्य मिला।प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी अजमेरा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं के दायित्वधारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, संगीत प्रेमी, सदस्य और सैंकड़ों की संख्या में दर्शक उपस्थित थे। शाखा स्तर, जिला स्तर और प्रांत स्तर के सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए गए तथा पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत से और समापन राष्ट्रगान से हुआ।

नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

भारत को जानो ऑनलाईन प्रतियोगिता

प्रांत स्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता तीन चरण में आयोजित होगी।

प्रथम-विद्यालय स्तर, मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (5 अक्टुम्बर 2020 तक अनिवार्य आयोजित)

द्वितीय-शाखा स्तर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (30 अक्टुम्बर 2020 तक अनिवार्य आयोजित)

तृतीय -प्रांत स्तर पर मोबाइल एप्लीकेशन एवं लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित होगी। (5 नवम्बर 2020 तक अनिवार्य आयोजित हो)

विद्यालय स्तर प्रतियोगिता के नियम-

1. प्रतियोगिता कनिष्ठ (कक्षा 6 से 8 तक) एवं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) के रूप में दो वर्ग में आयोजित होगी। **2.** प्रत्येक विद्यार्थी को लिंक के माध्यम से अथवा गूगल प्ले स्टोर से राजस्थान मध्य प्रांत भारत को जानो प्रतियोगिता की मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड करना होगा। **3.** मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रत्येक विद्यार्थी को अपना पंजीयन कराना होगा।

4. पंजीयन के लिए- 1) सर्वप्रथम विद्यार्थी को अपने विद्यालय का नाम सूची में से चयन करना होगा,
2) उसके बाद विद्यार्थी को अपना नाम, 3) कक्षा, 4) मोबाइल नंबर और
5) स्वयं का फोटो अपलोड कर पंजीयन करना होगा।

5. एक शाखा के सभी विद्यालयों की प्रतियोगिता एक ही दिन में एक निश्चित समय अवधि के ब्लॉक पीरियड में आयोजित की जाएगी। **6.** प्रतियोगिता की समय सीमा कुल आधा घंटा रहेगी, जिसके समय प्रारंभ होते ही प्रश्न मोबाइल एप्लीकेशन पर आ जाएंगे। **7.** प्रश्न पत्र में कुल 50 वैकल्पिक प्रश्न होंगे और प्रत्येक प्रश्न के लिए समय सीमा 20 सेकंड की रहेगी। **8.** प्रश्न भारत को जानो पुस्तक पाठ्यक्रम और समसामयिक आधार पर होंगे। **9.** सही अथवा गलत उत्तर देने अथवा 20 सेकंड की समय सीमा समाप्त होने पर स्वत: ही अगला प्रश्न आ जाएगा। **10.** अगला प्रश्न प्रदर्शित होने के बाद किसी भी कारण से प्रतियोगी पिछला प्रश्न नहीं देख पाएंगे। **11.** सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक मिलेंगे। **12.** अंतिम प्रश्न अर्थात 50वें प्रश्न के उत्तर के बाद आपको परिणाम हेतु सबमिट बटन को दबाकर सबमिट करना होगा। **13.** प्रतियोगिता में किसी भी समय लोग आउट होने अथवा सबमिट करने के बाद प्रतियोगी पुन: प्रतियोगिता प्रारंभ नहीं कर पाएगा। **14.** सबमिट करते ही आपका प्रतियोगिता परिणाम प्राप्तांक के साथ ई-सर्टिफिकेट आपको प्रदर्शित हो जाएगा, जिसका स्क्रीन शॉट आप ले लेवें। **15.** 30 मिनट की अवधि के बाद सबमिट की गई, उत्तर पुस्तिका स्वीकार्य नहीं होगी। **16.** शाखा के सभी विद्यालयों से भाग लेने वाले प्रतियोगियों का संकलित परिणाम प्रांतीय संयोजक के पास तुरंत आ जाएगा, जिसमें से प्रत्येक विद्यालय के प्रथम व द्वितीय प्रतियोगी का विवरण शाखा को भेज दिया जाएगा और शाखा द्वारा परिणाम की घोषणा की जाएगी व विद्यालय को सुचना दी जायेगी। **17.** यदि एक से अधिक प्रतियोगी के समान अंक आते हैं, ऐसी परिस्थिति में जिस सदस्य ने पहले उत्तर सबमिट किए हैं उस विद्यार्थी के चयन की प्राथमिकता रहेगी। **18.** विद्यालय स्तर के प्रथम एवं द्वितीय विजेता को शाखा द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, साथ ही दोनों प्रतियोगी द्वितीय स्तर-शाखा स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करेंगे। **19.** प्रतियोगिता में उत्तर देने हेतु अन्य किसी भी साधन का प्रयोग वर्जित रहेगा। **20.** किसी भी विवाद की स्थिति में प्रांतीय संयोजक एवं निर्णायक मंडल का निर्णय ही अंतिम निर्णय माना जाएगा।

शाखा स्तरीय प्रतियोगिता

द्वितीय चरण की प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर विजेता व उपविजेता प्रतियोगी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता भी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से शाखा स्तर पर आयोजित होगी। विजेता एवं उपविजेता को शाखा के द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। शाखा स्तर पर प्रथम आने वाला दल, प्रांत स्तर की मोबाइल एवं लाइव एप्लीकेशन के प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए क्वालीफाई करेगा।

प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता

प्रत्येक शाखा का विजेता दल प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता को दो भाग में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। प्रथम भाग–मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से एवं द्वितीय भाग–लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित होगी और दोनों प्रतियोगिताओं के संयुक्त अंकों के आधार पर प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा की जाएगी। प्रांत स्तर के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के विजेता एवं उपविजेता को प्रांत के द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

भारत को जानो प्रतियोगिता ऑनलाइन होगी

अजमेर | भारत विकास परिषद द्वारा संस्कार प्रकल्प के तहत होने वाली भारत को जानो प्रतियोगिता इस वर्ष ऑनलाइन होगी।

संयोजक राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि ये प्रतियोगिता अजमेर, भीलवाड़ा और राजसमंद जिले के सभी विद्यालयों में ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से होगी। यह प्रतियोगिता कनिष्ठ (कक्षा 6 से 8) एवं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12) दो वर्गों और तीन चरण विद्यालय स्तर, शाखा स्तर और प्रांत स्तर पर होगी। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता ऑनलाइन मोबाइल एप्लीकेशन एवं लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से होगी। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन प्रारंभ है। प्रतियोगिता के लिए क्षेत्रवार प्रकल्प प्रभारी बनाए गए हैं। अध्यक्ष अशोक गोयल और शाखा संपर्क प्रमुख सुरेश गोयल के अनुसार विद्यार्थियों की अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संपर्क प्रारंभ कर दिया गया है। गोयल के अनुसार भारत को जानो प्रतियोगिता 11 से 14 अक्टूबर के मध्य होगी।

स्थापना दिवस

भारत विकास परिषद् के स्थापना दिवस राजस्थान मध्य प्रांत की शाखाओं द्वारा सेवा और संस्कार के प्रेरक तथा जनोपयोगी कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य रूप से प्रांत की अजयमेरु, ब्यावर और सुभाष भीलवाड़ा द्वारा स्थापना सप्ताह के रूप में 10 जुलाई से 17 जुलाई तक विभिन्न सेवा व संस्कार के कार्यक्रमों का आयोजन नवाचार के साथ किया गया। जहाजपुर एवं बिजयनगर शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें क्रमश: 104 एवं 35 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। सुभाष शाखा भीलवाड़ा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जल मंदिर की स्थापना और विवेकानंद भीलवाड़ा द्वारा कोरोना योद्धा का सम्मान किया गया। कोरोनावायरस के जागरूकता एवं बचाव से संबद्ध विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी स्थापना दिवस पर किये गए जिसमें गुलाबपुरा, मांडल, बिजयनगर शाखा द्वारा मास्क वितरण और भीलवाड़ा की सभी शाखाओं द्वारा काढ़ा वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त शाखाओं द्वारा वृक्षारोपण, तुलसी गमला वितरण, प्रतिभावान विद्यार्थियों का अभिनंदन, वृद्धाश्रम में भोजन व्यवस्था, गौशाला एवं पक्षियों के लिए दाने पानी की व्यवस्था, चिकित्सालयों में फल वितरण और संस्कार विषय पर संगोष्ठी जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

रक्तदान

कोरोना महामारी के कारण संकटकाल में रक्त की कमी से जूझते हुए अस्पतालों को मानव सेवार्थ सहायता हेतु राजस्थान मध्य प्रांत की 11 शाखाओं द्वारा 37 विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें सदस्यो के अथक प्रयासो से 2296 रक्त युनिट एकत्रित कर मानव सेवा के इस अभिनन्दनीय कार्य में सहयोग प्रदान किया गया। विशेषकर जहाजपुर शाखा द्वारा 8 शिविरो में 638 युनिट रक्त संग्रहण किया।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद एवं भवानी क्लीनिक एंड रिसर्च सेंटर ऑफ इलेक्ट्रोपैथी के संयुक्त शिविर में आज तांगा स्टैंड पुराना शहर में बड़ी संख्या में लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि के लिए डॉ. विनय जी चौहान वह प्रवीण जी गुप्ता के निर्देशन में दवाई मुफ्त में पिलाई गई।

कोविड-19 (कोरोना)

वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 ने पूरे देश को प्रभावित और भयभीत किया। इस संकट काल में मध्य प्रांत की सभी शाखा के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा के मोर्चे को संभाले रखा। शाखओं से जगह-जगह भोजन व राशन वितरण, मास्क व सैनिटेशन वितरण करने और अपनी क्षमता से बढ़ चढ़कर आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने के समाचार प्राप्त हुए हैं।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण

परिषद् डॉ. सूरज प्रकाश जी की जयन्ती जन्मशती के रूप में वर्ष पर्यन्त मना रहा है। इस उपलक्ष में **केकड़ी शाखा** के द्वारा केकड़ी शहर और आस पास के गाँवों में प्रतिदिन 5 पौधे लगाये जा रहे हैं। अभी तक 850 पौधे, 230 ट्री गार्ड लगाये जा चुके हैं और 250 पौधे साथ तुलसी जी के 25 पोधे बांटे जा चुके हैं।

भारत विकास परिषद् **शाखा माण्डल** के पर्यावरण सुरक्षा प्रकल्प के तहत एवं पंचायत समिति माण्डल के वार्षिक वृक्षारोपण कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान के तहत वृक्षारोपण किया गया। परिषद के महेश पाराशर ने बताया कि विभिन्न तरह के छायादार एवं फलदार 101 पौधे ट्री गार्ड सहित माण्डल टेलीफोन एक्सचेंज से पंचायत समिति तक मुख्य सड़क के दोनों और लगाए गए एवं उक्त पोधो के सार सम्भाल की जिम्मेदारी परिषद द्वारा ली गयी। भारत विकास परिषद् **आजाद शाखा** द्वारा देवनारायण आवासीय विद्यालय, तेली खेड़ा में 51 फलदार एवं छायादार वृक्षारोपण किया गया ।

शाखा भोजरास द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी श्रीमान विकास मोहन भाटी , अध्यक्षता गुलाबपुरा शाखा संरक्षक श्रीमान केडी मिश्रा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रश्मि बिरला की उपस्थिति में रखा। परिषद द्वारा 100 पौधे मय ट्री गार्ड के लगाए गए। मुख्य अतिथि जी ने भारत विकास परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिये परिषद् को धन्यवाद दिया व बालिका उच्च शिक्षा, स्वच्छता अभियान पर भी जोर दिया गया। शाखा द्वारा रूपाहेली भोजरास बाईपास, भोजरास से रूपाहेली सड़क, सहकारी समिति से पंचायत भवन तक सड़क के दोनों तरफ पौधे लगाने का कार्य पूर्ण किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मालपानी, शाखा सचिव भंवर लाल टेलर, कोषाध्यक्ष नारायण लाल गुर्जर, वृक्षारोपण प्रभारी श्याम लाल तेली, भामाशाह बाहेती परिवार एवं परिषद् सदस्य उपस्थित थे।

प्रान्तीय संयोजक श्री पवन जी बांगड़ ने बताया कि इस सत्र में 30 सितम्बर 2020 तक प्रान्त की 16 शाखाओं द्वारा 4098 वृक्षारोपण किये गए जिसमें वृक्षों का वितरण एवं ट्रीगार्ड सहित रोपण भी सम्मिलित है।

तुलसी पौधा वितरण

भारत विकास परिषद के संस्थापक युगपुरुष डॉ. सूरज प्रकाश जी की स्मृति में मनाए जा रहे सप्ताह के समापन अवसर पर 16 जुलाई गुरुवार को प्रात: 9.30 बजे **सुभाष शाखा** द्वारा द्वारिकाधीश मंदिर, सीताराम जी की बावड़ी के पास नि:शुल्क 251 तुलसी पौधा वितरण किये गये। **आजाद शाखा** द्वारा तुलसी पौधा का वितरण गायत्री मंदिर के बाहर किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्री पंकज जी मिश्रा ने बताया कि सुबह 7 बजे कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसमें 100 पौधे वितरित किए गए, यह सभी पौधे वहाँ से गुजरने वाले नागरिकों को दिए गए और उनसे माँ तुलसी जी की देखभाल करने का निवेदन किया गया। इस सत्र में 30 सितम्बर 2020 तक प्रान्त की 9 शाखाओं द्वारा 1850 तुलसी पौधों का वितरण किया गया।

सुभाष शाखा ने 251 तुलसी पौधों का वितरण किया

हेलमेट वितरण

परिवहन विभाग के सहयोग से स्टीलबर्ड कंपनी द्वारा रियायती दर पर परिषद् परिवार की सभी शाखाओं के सदस्यों को हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती एवं युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी के चरणों में दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम गीत के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान यातायात निरीक्षक श्री महेश जी एवं यातायात प्रभारी श्रीमती पुष्पा जी कासोटिया उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुकन सिंह जी राठौड़, कैलाश जी अजमेरा, रामेश्वर जी काबरा, गुणमाला जी अग्रवाल, गोविंद जी राठी एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारियों का सानिध्य भी मिला। कार्यक्रम का संचालन शिवम जी प्रहलादका द्वारा किया गया। शहर की सभी सहयोगी शाखाओं के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत भारत विकास परिषद् शाखा बदनोर द्वारा हेलमेट अनुदान राशि 550 रु. के हिसाब से वितरण थानाधिकारी श्री राजेन्द्र ताडा, उप जिला प्रमुख राम चन्द्र सेन, राजेन्द्र कोठारी, चतुर्भुज मारू, रवि मकाना, प्रताप सिह चोहान, चन्द्रसिंह, राजेन्द्र राठोड़, आदी उपस्थित थे।

हेलमेट लगाने का भराया संकल्प पत्र

मेधावी छात्रों का सम्मान

एक शाखा - एक गाँव

भारत विकास परिषद् के संस्थापक युग पुरुष डॉ.सूरज प्रकाश जी की स्मृति में **सुभाष शाखा** द्वारा एक शाखा एक गांव सिदड़ीयास ग्राम में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी शिक्षकों को ऊपरना ओढ़ाकर एवं तिलक लगाकर वंदन-अभिनंदन किया व तीन छात्राओं का छडडै प्रतियोगिता में चयन होने पर अभिनंदन किया गया। इसी क्रम में विद्यालय में वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित सदस्यों एवं स्कूल स्टाफ के सहयोग से 11 पौधे लगाए गए। ग्राम के बीच चौपाल पर ग्रामवासियों को कोरोना जागरूकता संबंधित पेम्पलेट बांटे गए एवं गांव के बीच मंदिर पर दो फ्लेक्स बोर्ड लगाकर कोरोना महामारी से बचाव संबंधित जानकारी दी गई। गांव में 180 मास्क बांटे गए एवं सभी को घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री दिनेशजी शारदा, श्री दिलीपजी रांका, श्री रविजी बाहेती, श्री राकेशजी चेचानी, श्रीमती गुणमालाजी अग्रवाल, मंजूजी बाहेती एवं विद्यालय से प्रिंसिपल गणेशजी मंडोवरा, ओमजी काबरा आदि उपस्थित थे। **शाखा माण्डल** के इस प्रकल्प में गोद लिए हुए ग्राम बलाई खेड़ा (माण्डल) में एवं पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बलाई खेड़ा में 31 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर परिषद् अध्यक्ष विनोद सोनी, सचिव उदयशंकर सोनी, कोषाध्यक्ष कृष्णगोपाल सेन, प्रधानाध्यापक दिनेश जोशी व परिषद् सदस्य उपस्थित थे। **आजाद शाखा** द्वारा प्रकल्प के तहत गोद लिए गांव-रीछड़ा में सेवा प्रकल्प के कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यक्रम प्रभारी विनोद कोठारी ने बताया कि दीप प्रज्वलन एवं वंदेमातरम गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वहाँ तुलसी पौधा, मास्क , काढ़ा एवं होम्योपैथी दवा वितरण के साथ बारहवीं कक्षा के 3 मेधावी छात्रों को उनके श्रेष्ठ परिणाम के लिए सम्मानित किया गया, एवं अलग-अलग जगहों पर जागरूकता बैनर भी लगाए गए।

3 मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया

भीलवाड़ा | भारत विकास परिषद, आजाद शाखा की ओर से एक शाखा-एक गांव प्रकल्प के तहत गोद लिए गए गांव-रीछड़ा में सेवा प्रकल्प के कार्यक्रम किये गए। कार्यक्रम प्रभारी विनोद कोठारी ने बताया कि भाजपा जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी के मुख्य आतिथ्य में स्वामी विवेकानंद जी और मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर एवं वंदेमातरम गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उसके बाद सर्वप्रथम तुलसी पौधा, मास्क , काढ़ा एवं होम्योपैथी दवा वितरित किये गए, उसके बाद गांव के ही बारहवीं कक्षा के 3 मेधावी छात्रों को उनके उच्चतम परिणाम के लिए कैलाश चंद, रूपनारायण एवं शंकर लाल गाडरी को सम्मानित किया गया उसके बाद गांव में

भारत विकास परिषद ने बलाईखेड़ा स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

भारत विकास परिषद इकाई मांडल के एक शाखा एक गांव प्रकल्प में गोद लिए हुए ग्राम बलाई खेड़ा एवं पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बलाई खेड़ा में रविवार को 31 पौधे लगाए गए। साथ ही परिषद इकाई के सदस्यों को इनकी सुरक्षा का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष विनोद सोनी, सचिव उदयशंकर सोनी, कोषाध्यक्ष कृष्णगोपाल सैन, प्रधानाध्यापक दिनेश जोशी, दिनेश तिवाड़ी, प्रवीण हनुमान, रमेश, महावीर, हरीश, परिषद से परेश तिवाड़ी, महेश पाराशर, रामचंद्र शर्मा, हरिओम स्वर्णकार, रमेश बलाई, सुरेन्द्र टेलर, धीरज सिंह कालिया, शुभकरण सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डॉ. सूरज प्रकाश जन्मशति वर्ष आयोजन

राखी बनाना प्रशिक्षण- भारत विकास परिषद् सुभाष शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश आत्मनिर्भर योजना के अंतर्गत महिला जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता प्रकल्प के तहत ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से राखी बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 जुलाई से 27 जुलाई तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रांतीय महासचिव श्री संदीप बाल्दी के उद्बोधन से हुई, जिसमें परिषद् के परिचय के साथ सुभाष शाखा द्वारा गत वर्ष में किये गए सेवा एवं संस्कार के कार्यों का वीडियो से प्रस्तुतिकरण किया गया।

राखी प्रशिक्षण के इस कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह दिखाते हुए 1280 प्रशिक्षणार्थियों ने पंजीयन कराया। प्रशिक्षक श्रीमती विद्या सामरिया द्वारा घर पर उपलब्ध सामान के द्वारा राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया, जिसमें गोटे व मोती के अलावा मनीप्लांट के पत्तों से ईको फ्रेंडली राखी को बनाने के आसान तरीके बताए गये। साथ ही राखी को सुंदर सी कार्ड शीट कि ट्रे बना कर सुंदर पैकिंग करना सिखाया। श्रीमति प्रमिला गहलोत रीजनल महिला बाल विकास मंत्री, रीजनल मंत्री संस्कार श्री दिनेश कोगटा, संगठन मंत्री श्री सुभाष जैन, राष्ट्रीय प्रोजेक्ट संपर्क श्री मालचंद गर्ग, श्रीमति भारती मोदानी आदि ने अश्वनलाइन अवलोकन किया। सभी ग्रुपों में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ प्रकल्प के तहत शाखा सदस्य श्रीमती आशा दरगड ने जागरूकता लाने के लिए ऑनलाइन शपथ दिलाई ।

निःशुल्क मेहंदी प्रशिक्षण - भारत विकास परिषद, आजाद शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जयंती वर्ष के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाने हेतु महिलाओं के लिए ऑनलाइन निःशुल्क मेहंदी प्रशिक्षण 28 जुलाई से 1 अगस्त 2020 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक दिया। ऑनलाइन मेहंदी प्रशिक्षण के लिए 1225 महिलाओं के रजिस्ट्रेशन हुए। इसमें भाग लेने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों के मध्य महिलाओं के पारंपरिक एवं पावन त्यौंहार कजली तीज के उपलक्ष में 5 अगस्त, 2020 को मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया। प्रतियोगिता में मेहंदी प्रशिक्षण के लिए बनाए गए सभी ग्रुपों में प्रत्येक ग्रुप से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया गया।

निःशुल्क ऑनलाइन इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण -डा. सूर्य प्रकाश आत्मनिर्भर भारत योजना कार्यक्रम के तहत **आजाद शाखा भीलवाड़ा** द्वारा 2 दिन का निःशुल्क ऑनलाइन इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया, जिसके लिए 1026 प्रतिभागियों द्वारा पंजीयन कराये गए। कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती उषा कचोलिया ने बताया कि Online Video के द्वारा पर्यावरणविद् इकोफ्रेंडली गणपति प्रतिमा प्रशिक्षण प्रशिक्षिका श्रीमती जया तोषनीवाल, चित्तौड़गढ़ द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान शाखा द्वारा सभी प्रतिभागियों से निवेदन किया गया कि गणपति जी की प्रतिमा बनाते समय गणपतिजी में कोई भी फल, फूल या अन्य कोई बीज अवश्य दबाएं और इस वर्ष कोरोना महामारी के कारण गणपति जी का विसर्जन घर से बाहर न जाकर घर पर ही गमले में करें जिससे कि वह एक पौधे के रूप में बड़ा होकर हमें खुशी भी देगा और पर्यावरण संतुलन में एक छोटा सा सहयोग भी साबित हो सकेगा। आजाद शाखा, भीलवाड़ा द्वारा गणेशचतुर्थी के दिन ऑनलाइन गणपतिजी की झांकी सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें पूरे भारत से प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम प्रभारी उषा कचोलिया ने बताया कि प्रतियोगिता के परिणाम 25 अगस्त को निकाले गये, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान व 5 सांत्वना प्रतिभागीयों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने का दिया प्रशिक्षण

भीलवाड़ा | आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत भारत विकास परिषद, आजाद शाखा की ओर से 2 दिन का निःशुल्क ऑनलाइन इको फ्रेंडली गणपति प्रतिमाएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के लिए 1026 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया था। कार्यक्रम प्रभारी उषा

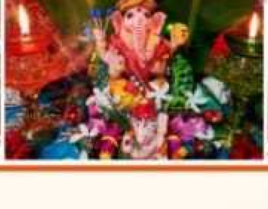

राष्ट्रीय मार्गदर्शन

रीजनल संपर्क बैठकों में राष्ट्रीय दायित्वधारियों द्वारा संगठन के संचालन और विभिन्न प्रकल्पों के क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन मिलता रहता है। बैठकों में प्राप्त मार्गदर्शन के कुछ मुख्य अंश आपके लिए प्रेषित है-

आदरणीय सुरेश जी जैन- राष्ट्रीय संगठन मंत्री का सम्पर्क, सहयोग, सेवा, संस्कार एवं संस्कृति पर मार्गदर्शन:-

1. **सम्पर्क:** शाखाएं अपने क्षेत्र के 30-35 विशिष्ट, प्रभावी, प्रबुद्ध व सम्पन्न व्यक्तियों की सूची बनायें तथा उनसे सम्पर्क कर उन्हें परिषद् की जानकारी दें, परिषद् के कार्यक्रमों में बुलाएं तथा परिषद् से जोड़ने का कार्य करें। 50 कि.मी. की परिधि में रहने वाले कार्यकर्ताओं से भौतिक रुप से मिलें तथा अन्य सभी से दूरभाष पर सम्पर्क में रहें। प्रतिदिन लगभग 25 कार्यकर्ताओं से बात करें। सम्पर्क हमारे कार्य का मूल हैं, इसे प्रभावी बनायें।

2. **सहयोग :** शाखाएं उनके क्षेत्र में कार्यरत समान विचारधारा के छ०एवं स्वंय सेवी संगठनों की सूची बनायें तथा उनके साथ मिल कर सेवा के प्रभावी कार्य करें ।

3. **सेवा :- अ) आत्मनिर्भर भारत :** प्रत्येक शाखा कम से कम 1 सिलाई केन्द्र संचालित करें तथा यदि किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो केन्द्र से सम्पक करें। इस प्रकार गरीब एवं पिछड़े वर्ग की महिलाओं को सिलाई सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करें।

ब) अभाव ग्रस्त विद्यालयों को गोद लेकर उन्हें विकसित करें। इनमें अध्यापन, पोस्टिक भोजन, पुस्तकालय एवं खेलकूद सामग्री की व्यवस्था कर सकते हैं।

स) पैथोलॉजी लैब स्थापना तथा एनीमिया मुक्त भारत की दिशा में प्रभावी कार्य किये जाने की आवश्यकता है ।

4. **संस्कार:** एकल गीत प्रतियोगिता, भारत को जानो व गुरुवन्दन छात्र अभिनन्दन के कार्यक्रम गाईड लाईन अनुसार ऑनलाईन आयोजित करें ।

5. **महिला एवं बाल विकास :** राष्ट्रीय महिला प्रमुख, रीजनल महिला प्रमुख को, रीजनल महिला प्रमुख, प्रान्तीय महिला प्रमुख को, प्रान्तीय महिला प्रमुख, शाखा महिला प्रमुख को व शाखा महिला प्रमुख शाखा की महिलाओं को सक्रीय करने का कार्य करें ।

6. **कार्यशाला :** परिषद् की कार्य शैली विशिष्ट है, इस हेतु कार्यशालाओं के माध्यम से दायित्वधारियों व कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना चाहिए ।

7. **राजस्थानी कला व संस्कृति :** राजस्थान की कला व संस्कृति समृद्ध है , इसके विकास व सम्वर्धन के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करें, कलाकारों को प्रशिक्षित करे। राजस्थानी नृत्य व व्यंजन के उन्नयन हेतु कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण आयोजित करे।

सभी शाखाओं से अनुरोध है कि अपनी अपनी शाखाओं में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सम्पर्क, सहयोग, संस्कार व संस्कृति तथा सेवा के प्रभावी कार्यों की योजना बनाएं तथा सदस्यों को सक्रीय करने हेतु उनकी सहभागिता से इन कार्यों के क्रियान्वयन की योजना बना कर इन का क्रियान्वयन करे।

श्री महेश जी गुप्ता- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का श्रेष्ठ कार्यकर्ता निमार्ण पर मार्गदर्शन :-

अष्टसिद्धियां वे सिद्धियाँ हैं, जिन्हें प्राप्त कर व्यक्ति किसी भी रूप और देह में वास करने में सक्षम हो सकता है। वह सूक्ष्मता की सीमा पार कर सूक्ष्म से सूक्ष्म तथा जितना चाहे विशालकाय हो सकता है। श्रीमान् महेशजी गुप्ता ने अष्टसिद्धियों को परिषद् के परिपेक्ष में समझाते हुए, समर्पण भाव से सेवा व संस्कार के कार्य में लगे रहने व श्री हनुमानजी से प्रेरणा लेकर श्रेष्ठ कार्यकर्ता बनने का आह्वान किया-

1. **अणिमा**- अपने शरीर को एक अणु के समान छोटा कर लेने की क्षमता-हम योगी नहीं हैं परन्तु स्वयं की महिमा मंडन नहीं कर सदैव साधारण रहना, घमंड (ईगो) नहीं करना तो स्वत: यह सिद्धी प्राप्त हो जायेगी।

2. **महिमा**- शरीर का आकार अत्यन्त बड़ा करने की क्षमता-विस्तार (शाखाओं एवं सदस्यता) पर अंकुश नहीं लगाना है, चेलेंज स्वीकार कर प्रत्येक कार्यकर्ता के आत्मबल को बढ़ाना है।

3. गरिमा- शरीर को अत्यन्त भारी बना देने की क्षमता-सदैव "मैं" पर जोर नहीं रखकर "हम" पर ही बात रखना, कार्य की सिद्धी स्वयं की न बताकर सबकी उपलब्धि बताकर कार्यकर्ताओं के मनोबल को उन्नत करना।

4. **लंघिमा**- शरीर को भार रहित करने की क्षमता-किसी भी कार्य की पूर्णता पर स्वयं की उपलब्धि नहीं बताकर कार्यकर्ताओं की ही उपलब्धि बताया। हनुमानजी का श्रेष्ठ उदाहरण: लंका जाते समय समुद्र लांघना तो प्रभु मुद्रिका को तथा लंका से वापसी पर माता सीता की चूड़ामणि को सहारा बताना।

5. **प्राप्ति**-बिना रोक टोक के किसी भी स्थान को जाने की क्षमता-लक्ष्यों का संविधान की भूख रखना, चाहे सदस्यता अंशदान हो, आयोजन क्रियान्वयन हो, आपात स्थितियों का सामना हो, "डिजायर्डगोल" प्राप्त करना, संगठन के कार्यकर्ता के लिये यही प्राप्ति मार्ग है।

6. **प्राकाम्य**- अपनी प्रत्येक इच्छा को पूर्ण करने की क्षमता-कार्यकर्ता सरल, सहज, एवं अनुकूल शैली के भाव से ओत-प्रोत हो, बाल, युवा एवं प्रोढ़ के साथ उन्ही के अनुसार ढ़लने वाला रहे उनके साथ रह उनके जैसा बल कार्य/लक्ष्य को सफल बनाना।

7. **इशित्व**-प्रत्येक वस्तु और प्राणी परपूर्ण अधिकार की क्षमता-प्राप्त नेतृत्व का अनुशासनबद्ध पालन, वरिष्ठों का सम्मान। नेतृत्व में आयुबंधन नहीं होता अत: नेतृत्व का सम्मान रखना। रामायण काल में सीता मैया की खोज में महाराजजी ने श्री अंगद के नेतृत्व में हनुमानजी और जाम्बवंतजी जैसे वरीष्ठ सहयोगियों को भेजकर कार्य सिद्ध करना श्रेष्ठ कार्यकर्ता और नैतृत्व का उदाहरण कहा जा सकता है।

8. **वशीत्व**-प्रत्येक प्राणी को वश मेंकरने की क्षमता- संगठन में कार्यकर्ताओं को अपने जैसा स्वीकार करना, सम्मान देते हुए कार्य संपादन करवाना, आपस में श्रेष्ठ समन्वयता रखना ही वशीत्व की सिद्धी हैं। यह सिद्ध विलक्षण कार्यकर्ताओं में ही हो सकती है, हमें परिवार में भी इस सिद्धि से निवर्हन करना चाहिये।

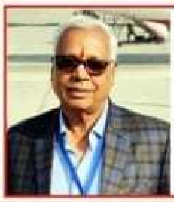

राजस्थान मध्य प्रान्त के गौरव
श्रीमान् शान्तिलाल जी पानगड़िया को
उत्तर पश्चिम रीजन का रीजनल संरक्षक
का दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई।

गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन

रक्तदान शिविर आयोजन

कोरोना जागरुकता अभियान

ऑनलाईन एकलगान प्रतियोगिता - एक नवाचार